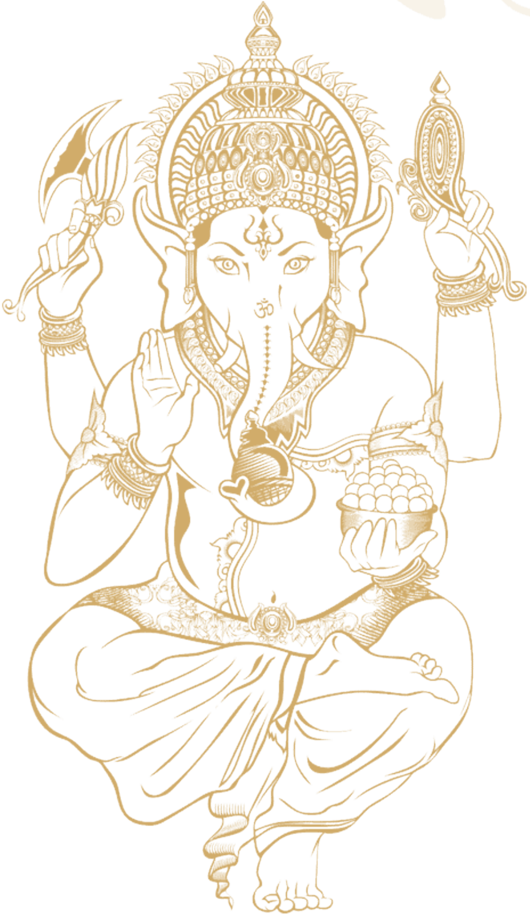

Mr.shri Naryan Kukrati

24 Aug 2023

12:57 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119173504

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
24/08/2023	जन्म तिथि	**23-24/08/2025**
गुरुवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 12:57:00	जन्म समय	01:15:23 घंटे
घटी 17:35:20	जन्म समय(घटी)	48:21:55 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:52	सूर्योदय	05:54:36
18:52:48	सूर्यास्त	18:52:16
24:11:07	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59
वृश्चिक	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृश्चिक	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
अनुराधा	नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
शनि	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	1
ऐन्द्र	योग	शिव
विष्टि	करण	बव
ना-नवीन	जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	वनचर
मृग	योनि	मूषक
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मूषक
2	गत/तत्कालिक वर्ष	3

जन्म - विवरण   वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	2	07:26:14	वृश्चि			लग्न			मिथु	05:25:56	4	मृगशिरा
मघा	3	06:42:56	सिंह			सूर्य			सिंह	06:42:55	3	मघा
अनुराधा	1	05:26:57	वृश्चि			चंद्र			सिंह	13:31:02	1	पू०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	3	03:44:22	कन्या			मंगल			कन्या	16:25:21	2	हस्त
उ०फाल्गुनी	1	27:39:21	सिंह	व		बुध			कर्क	19:06:53	1	आश्लेषा
भरणी	3	21:11:12	मेष			गुरु			मिथु	22:08:24	1	पुनर्वसु
आश्लेषा	2	20:18:39	कर्क	व		शुक्र			कर्क	03:33:49	1	पुष्य
शतभिषा	1	09:52:46	कुंभ	व		शनि	व		मीन	06:20:39	1	उ०भाद्रपद
अश्विनी	1	02:15:43	मेष			राहु	व		कुंभ	24:05:54	2	पू०भाद्रपद
चित्रा	3	02:15:43	तुला			केतु	व		सिंह	24:05:54	4	पू०फाल्गुनी
कृतिका	1	28:52:49	मेष			मु			मक	07:26:14	4	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

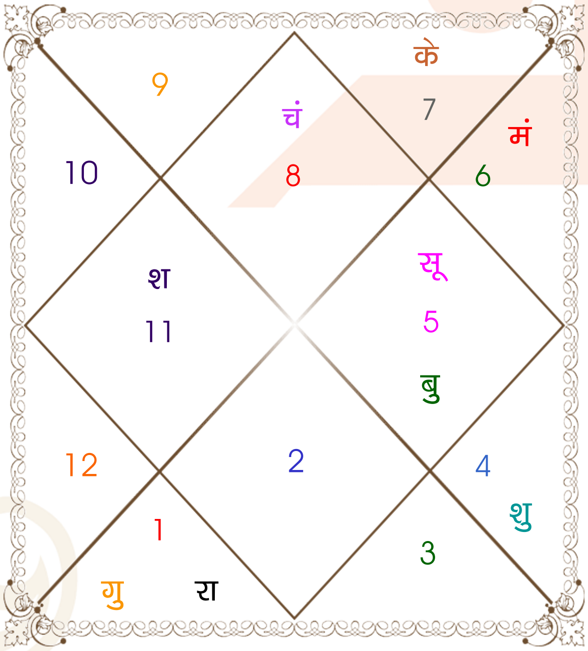

वर्ष लग्न कुंडली

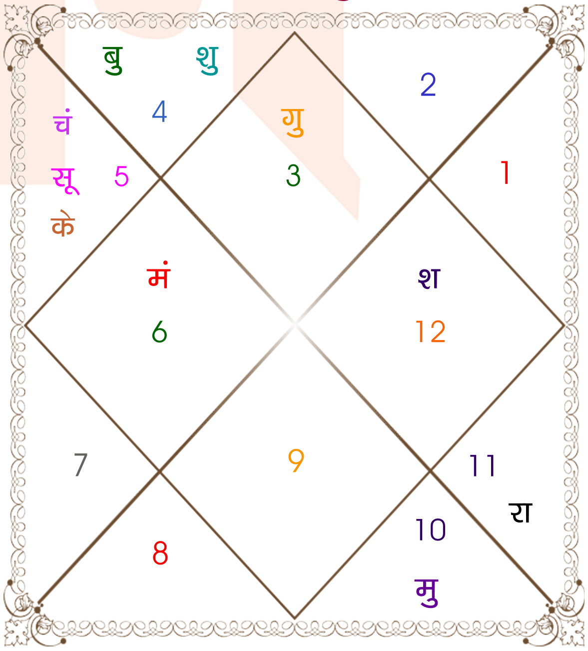

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - गुरु	
18/07/2025 09:35	
26/11/2025 11:36	
गुरु	04/08/2025 21:03
शनि	25/08/2025 15:10
बुध	13/09/2025 04:51
केतु	20/09/2025 20:22
शुक्र	12/10/2025 16:42
सूर्य	19/10/2025 06:00
चंद्र	30/10/2025 04:11
मंगल	06/11/2025 19:42
राहु	26/11/2025 11:36

शनि - बुध - शनि	
26/11/2025 11:36	
01/05/2026 03:30	
शनि	21/12/2025 03:07
बुध	12/01/2026 04:22
केतु	21/01/2026 06:18
शुक्र	16/02/2026 04:57
सूर्य	23/02/2026 23:44
चंद्र	08/03/2026 23:04
मंगल	18/03/2026 00:59
राहु	10/04/2026 09:23
गुरु	01/05/2026 03:30

शनि - केतु - केतु	
01/05/2026 03:30	
24/05/2026 18:15	
केतु	02/05/2026 12:33
शुक्र	06/05/2026 11:01
सूर्य	07/05/2026 15:21
चंद्र	09/05/2026 14:35
मंगल	10/05/2026 23:38
राहु	14/05/2026 12:39
गुरु	17/05/2026 16:13
शनि	21/05/2026 09:57
बुध	24/05/2026 18:15

शनि - केतु - शुक्र	
24/05/2026 18:15	
31/07/2026 05:31	
शुक्र	05/06/2026 00:07
सूर्य	08/06/2026 09:05
चंद्र	14/06/2026 00:01
मंगल	17/06/2026 22:29
राहु	28/06/2026 01:22
गुरु	07/07/2026 01:17
शनि	17/07/2026 17:40
बुध	27/07/2026 07:04
केतु	31/07/2026 05:31

शनि - केतु - सूर्य	
31/07/2026 05:31	
20/08/2026 11:18	
सूर्य	01/08/2026 05:48
चंद्र	02/08/2026 22:17
मंगल	04/08/2026 02:38
राहु	07/08/2026 03:30
गुरु	09/08/2026 20:16
शनि	13/08/2026 01:11
बुध	15/08/2026 22:00
केतु	17/08/2026 02:20
शुक्र	20/08/2026 11:18

शनि - केतु - चंद्र	
20/08/2026 11:18	
23/09/2026 04:56	
चंद्र	23/08/2026 06:46
मंगल	25/08/2026 06:00
राहु	30/08/2026 07:27
गुरु	03/09/2026 19:24
शनि	09/09/2026 03:35
बुध	13/09/2026 22:17
केतु	15/09/2026 21:31
शुक्र	21/09/2026 12:27
सूर्य	23/09/2026 04:56

शनि - केतु - मंगल	
23/09/2026 04:56	
16/10/2026 19:41	
मंगल	24/09/2026 14:00
राहु	28/09/2026 03:01
गुरु	01/10/2026 06:35
शनि	05/10/2026 00:19
बुध	08/10/2026 08:36
केतु	09/10/2026 17:40
शुक्र	13/10/2026 16:07
सूर्य	14/10/2026 20:27
चंद्र	16/10/2026 19:41

शनि - केतु - राहु	
16/10/2026 19:41	
16/12/2026 13:02	
राहु	25/10/2026 22:17
गुरु	03/11/2026 00:36
शनि	12/11/2026 15:21
बुध	21/11/2026 05:48
केतु	24/11/2026 18:49
शुक्र	04/12/2026 21:42
सूर्य	07/12/2026 22:34
चंद्र	13/12/2026 00:01
मंगल	16/12/2026 13:02

शनि - केतु - गुरु	
16/12/2026 13:02	
08/02/2027 12:27	
गुरु	23/12/2026 17:45
शनि	01/01/2027 06:52
बुध	08/01/2027 22:23
केतु	12/01/2027 01:57
शुक्र	21/01/2027 01:51
सूर्य	23/01/2027 18:37
चंद्र	28/01/2027 06:34
मंगल	31/01/2027 10:08
राहु	08/02/2027 12:27

शनि - केतु - शनि	
08/02/2027 12:27	
13/04/2027 14:46	
शनि	18/02/2027 16:01
बुध	27/02/2027 17:57
केतु	03/03/2027 11:41
शुक्र	14/03/2027 04:04
सूर्य	17/03/2027 08:59
चंद्र	22/03/2027 17:10
मंगल	26/03/2027 10:54
राहु	05/04/2027 01:39
गुरु	13/04/2027 14:46

शनि - केतु - बुध	
13/04/2027 14:46	
09/06/2027 23:09	
बुध	21/04/2027 17:45
केतु	25/04/2027 02:02
शुक्र	04/05/2027 15:26
सूर्य	07/05/2027 12:15
चंद्र	12/05/2027 06:57
मंगल	15/05/2027 15:15
राहु	24/05/2027 05:42
गुरु	31/05/2027 21:13
शनि	09/06/2027 23:09

शनि - शुक्र - शुक्र	
09/06/2027 23:09	
19/12/2027 17:39	
शुक्र	12/07/2027 02:14
सूर्य	21/07/2027 17:33
चंद्र	06/08/2027 19:06
मंगल	18/08/2027 00:59
राहु	15/09/2027 22:57
गुरु	11/10/2027 15:49
शनि	11/11/2027 04:21
बुध	08/12/2027 11:46
केतु	19/12/2027 17:39

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्थशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।